सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 203 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 29 अगस्त, 2023
मूल्य ₹ 3/-

महिला हॉकी टीम को मिला विश्वकप... 7 | इंडिया भारत को जोड़ने कों... 3 | काशी से प्रियंका चुनाव लड़ें तो... 2

सबसे बड़ा उपहार जो आप दूसरों को दे सकते हैं वो है बिना शर्त प्रेम और स्वीकृति का उपहार।

-ब्रायन ट्रेसी

4PM के संपादक संजय शर्मा की पहल का असर

हाईकोर्ट में याचिका के बाद सरकार ने जेपीएनआईसी का काम शुरू करने का किया फैसला

» संजय शर्मा की रिट के बाद कोर्ट ने सरकार से मांगा था जवाब

» शासन ने अब बिल्डिंग पूरी करने का किया फैसला

» कैबिनेट में बजट मंजूरी के लिए रखा जाएगा प्रस्ताव

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 4पीएम के संपादक संजय शर्मा की पहल का असर आखिर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पर दिख ही गया। हाईकोर्ट में याचिका के बाद राज्य सरकार ने जय प्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (जेपीएनआईसी) का काम शुरू करने का निर्णय लिया है। शासन ने अब बिल्डिंग पूरी करने का फैसला किया है। इसके लिए कैबिनेट में बजट मंजूरी के लिए प्रस्ताव रखा जाएगा।

दरअसल, 4PM ने जेपीएनआईसी की बिल्डिंग के खंडहर होने की खबर भी प्रकाशित की थी। साथ ही अपने सामाजिक दायित्वों के तहत इसको बचाने के लिए संपादक की ओर से हाईकोर्ट में रिट भी दायर की गई थी। संजय शर्मा ने हाईकोर्ट में याचिका दायर करके कहा था कि नौ सौ करोड़ की बिल्डिंग खंडहर हो रही है। ज्ञात हो कि जेपीएनआईसी का काम सपा सरकार में शुरू हुआ था। इस काम को पूरा करने की जिम्मेदारी शालीमार ग्रुप को दिया गया था । 2017 में सरकार बदलते ही इस काम को रोक दिया गया था।

इस बीच जांच से बचने के लिए शालीमार के मालिक संजय सेठ भाजपा में शामिल हो गए थे। सेठ तो बच गए पर बिल्डिंग जो कि आमजनता के टैक्स के पैसे से बनी थी वह धीरे-धीरे खंडहर हो रही थी। छह साल से जांच होने की बात चल रही है पर अब जाकर उम्मीद की जा रही है कि लखनऊ की एक उम्दा इमारत फिर संवर कर लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेगी।

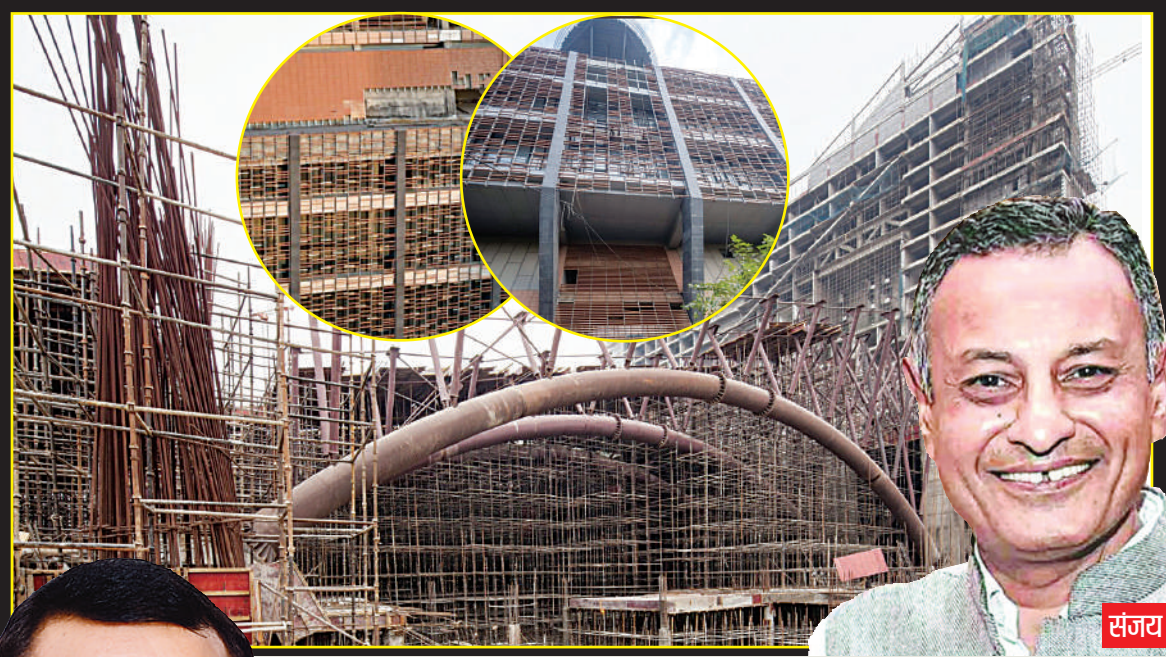

» सरकार बदलते ही शुरू हो गई थी जांच और शालीमार के मालिक संजय सेठ जांच से बचने के लिए आ गये थे भाजपा में

» छह साल से जांच का पता नहीं पर बिल्डिंग हो रही थी खंडहर

संजय सेठ, शालीमार के मालिक

संजय शर्मा, संपादक 4PM

हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की पीठ में गया था मामला

अप्रैल में 4PM ने सरकार को एक विस्तृत प्रत्यावेदन देकर अनुरोध किया था कि इस भवन को तत्काल पूरा किया जाए। मगर सरकार की ओर से कोई आदेश नहीं आया। इसके बाद संपादक संजय शर्मा ने हाईकोर्ट में पीआईएल दाखिल करके कहा कि देरी होने के कारण इस भवन का स्टीमेट लगातार बढ़ रहा है और सालों से बंद पड़ी बिल्डिंग खंडहर बनती जा रही है। लिहाजा तत्काल इस बिल्डिंग को बनवाने के आदेश सरकार को दिये जाएं। क्योंकि ये जनता के पैसे की बर्बादी है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के सामने यह पीआईएल पेश हुई और उसके बाद उन्होंने सरकार और एलडीए को इस संबंध में नोटिस जारी करके उन्हें एक महीने का समय दिया है कि वे अपना जवाब दाखिल करें।

2017 से रुका है काम

2017 में जब योगी सरकार आ गई तब सरकार ने कहा कि इसमें बहुत भ्रष्टाचार हुआ है लिहाजा इसकी जांच कराई जायेगी। 2017 में यह जांच शुरू हुई और बिल्डिंग में काम रुक गया। जनता के टैक्स के पैसे से बन रही यह बिल्डिंग अधुरी पड़ी है। संजय शर्मा ने अपने लोकप्रिय यूट्यूब चैनल 4PM में एक विस्तार से रिपोर्ट बनाई थी और बताया था कि किस तरह जनता के पैसे के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है और सैकड़ो करोड़ की यह बिल्डिंग खंडहर बनती जा रही है। इस रिपोर्ट में सिस्टम की लापरवाही पूरी तरह से उजागर हो गई थी।

» संजय शर्मा ने कोर्ट में दायर याचिका में बताया था कि नौ सौ करोड़ की बिल्डिंग हो रही है खंडहर

» सपा सरकार में शुरू हुआ था जेपीएनआईसी का काम, शालीमार ग्रुप को दिया गया था काम

गोमतीनगर में बनी है भव्य इमारत

लखनऊ के पॉश इलाके गोमतीनगर में सपा सरकार में जय प्रकाश नारायण के नाम पर एक विशाल सेंटर बनाने की शुरूआत की गई थी जिसका नाम जेपीएनआईसी रखा गया। इस आधुनिक बिल्डिंग में कई ऑडिटोरियम, स्वीमिंग पूल तथा अन्य आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध थीं। इस बिल्डिंग को बनाने का काम शालीमार समूह को दिया गया और फिर इसमें एक के बाद एक लापरवाही होती चली गई।

काशी से प्रियंका चुनाव लड़ें तो आसपास भी होगा असर : राय

» जिलों में दौरे कर बढ़ाई जाएगी जन-जागरूकता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोक सभा चुनाव 2024 में भाजपा को पटखनी देने के लिए पूरी तरह से कांग्रेस ने तैयारी शुरू कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय कहते हैं कि वह चाहते हैं कि प्रियंका गांधी वाराणसी से चुनाव लड़ें। उनका कहा है कि यहां का समीकरण माकूल है। यदि वह यहां से नहीं लड़ती हैं तो अन्य जिस भी सीट पर उनकी इच्छा होगी, वहां से चुनाव लड़ाया जाएगा। संगठन पूरी रणनीति से उन्हें न सिर्फ चुनाव लड़ाएगा बल्कि जीत दर्ज कराएगा। यह लोकसभा चुनाव कई तरह के अहम बदलाव का गवाह बनेगा।

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाराणसी से चुनाव लड़ेंगी या प्रयागराज व फूलपुर से अथवा अन्य किसी सीट को चुनेंगी, इस पर मंथन शुरू हो गया है। पार्टी उनके लिए प्रदेश की पांच सीटों पर होमवर्क में जुटी है। हालांकि प्रदेश नेतृत्व की पहली प्राथमिकता वाराणसी है। ताकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सीधे चुनौती दी जा सके। वाराणसी कांग्रेसियों का गढ़ रहा है। यहां से चुनाव लड़ने पर पूरे देश की निगाहें टिकेंगी। इन तीन सीटों के अलावा दो अन्य सीटें अभी तय नहीं की गई हैं। इस तरह पांच सीटों का पूरा डाटा तैयार कर केंद्रीय कार्यालय को भेजा जाएगा। इसमें जीतने की गुंजाइश अधिक होने की वजह भी बताई जाएगी। इसके लिए पार्टी आंतरिक रूप से संबंधित सीटों का सर्वे भी कराएगी। ताकि सर्वे डाटा के जरिए केंद्रीय मुख्यालय को जीत को लेकर मुतमइन किया जा सके। उन्होंने कहा कि पार्टी सूत्रों का कहना है कि लंबे समय तक जिलों में कार्य कर चुके नेताओं को प्रदेश कार्यकारिणी में लाने की तैयारी है। इसके जरिए जहां उनका पदोन्नति के जरिए उत्साह बढाया जाएगा वहीं दूसरे नेताओं को जिलों में कार्य करने का मौका मिलेगा। वरिष्ठ नेताओं को दो से तीन लोकसभा क्षेत्र की जिम्मेदारी देकर उनकी उपयोगिता बढ़ाने की तैयारी है। इस संबंध में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का कहना है कि ज्यादातर जिलों में कौन-कौन सक्रिय कार्यकर्ता और नेता हैं, इसकी उन्हें जानकारी है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव होने में सिर्फ आठ माह का वक्त है।

सक्रिय रहने वालों को आगे बढ़ाएगी कांग्रेस

कांग्रेस के संगठनात्मक ढांचे में बड़ा बदलाव होगा। यह प्रदेश से लेकर जिला स्तर तक दिखाई पड़ेगा। इसमें हर जाति व धर्म के लोगों के साथ ही युवाओं की भागीदारी बढ़ेगी। संगठनात्मक ढांचे में कांग्रेस के उदयपुर चिंतन शिविर की घोषणाओं की छाप दिखेगी।कांग्रेस के नवनियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा करने के पहले जिलेवार समीक्षा शुरू कर दी है। वह पूरी तरह से उदयपुर चिंतन शिविर में लिए गए संकल्पों को पूरा करने की तैयारी में हैं। इसके तहत संगठनात्मक ढांचे में युवाओं को तरजीह मिलेगी। साथ ही जाति व वर्गवार सभी की भागीदारी बढ़ाई जाएगी। खास बात यह है कि पार्टी में निरंतर सक्रिय रहने वाले नेताओं को अहम जिम्मेदारी देकर हौंसला बढ़ाने का कार्य किया जाएगा। इसी तरह कांग्रेस के फ्रंटल संगठनों एवं विभिन्न विभागों में कार्य कर रहे नेताओं को मुख्य कमेटी में जिम्मेदारी देने पर विचार चल रहा है। ताकि अन्य नई पीढ़ी को फ्रंटल एवं विभागों के जरिए सियासी जमीं पर तैयार किया जा सके।

गठबंधन से बाहर निकलने की फिराक में आप : संदीप दीक्षित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

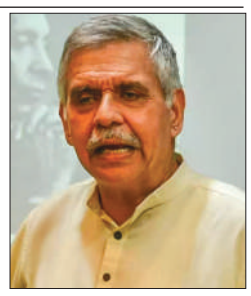

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने आम आदमी पार्टी को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने आप पार्टी पर आरोप लगाया कि 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए विपक्षी दलों द्वारा गठित इंडिया गठबंधन से बाहर निकलने के लिए आप माहौल बना रही है। 31 अगस्त और 1 सितंबर को होने वाली विपक्षी गुट की बैठक और आम आदमी पार्टी द्वारा बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने की रिपोर्ट पर पूछे गए सवालों के जवाब पर संदीप दीक्षित ने कहा।

मीडिया से बातचीत पर उन्होंने कहा कि आप पार्टी केवल इंडिया गठबंधन से बाहर निकलने के लिए माहौल बना रही है। इसमें क्या है। हम जानते थे कि यह होने वाला है। जैसा कि मैं हमेशा उल्लेख करता हूं। अमित शाह ने संसद में कहा कि आम आदमी पार्टी भागने वाली है। दीक्षित ने दावा करते हुए कहा कि शाह ने सार्वजनिक रूप से घोषणा की है कि आम आदमी पार्टी को क्या करना चाहिए। वे ऐसा करेंगे। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है। आप और कांग्रेस विपक्षी इंडिया गुट के सदस्य हैं।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने हदें पार कर दी हैं : प्रमोद कृष्णम

» अखिलेश यादव की पार्टी के लिए यह सही नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वह जहां भी जाते हैं, हिंदू धर्म का अपमान करते हैं। ये टिप्पणी कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने समाजवादी पार्टी नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के हिंदू धर्म पर दिए एक बयान के बाद की है। स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान की आलोचना करते हुए प्रमोद कृष्णम ने कहा, कि हिंदुओं को गाली देना एक फैशन बन गया है और सपा नेता मौर्य ने हदें पार कर दी हैं।

वह आए दिन जहां भी जाते है, हिंदू धर्म का अपमान करते है। इस बार उन्होंने यह कहकर कमाल कर दिया है कि हिंदू नाम का कोई धर्म नहीं है और इस पर अखिलेश जी चुप हैं। मुझे लगता है कि

समाजवादी पार्टी को अब हिंदुओं और उनके वोटों की जरूरत नहीं है, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। आचार्य प्रमोद ने आगे कहा, मुझे लगता है कि अखिलेश यादव को अब स्वामी प्रसाद मौर्य को अलविदा कह देना चाहिए, नहीं तो यह उनके और पार्टी के लिए बहुत बुरा होगा। बता दें कि स्वामी प्रसाद मोर्य ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट लिखा था।

धर्म पर कोई कुछ भी न बोले : मनोज

» जो भी बोलता है, वह उसका निजी विचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री मनोज पांडेय ने स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि दैत्य और देवाओं के बीच युद्ध अनादि काल से चलता चला आ रहा है। इस लड़ाई में आज तक कोई दैत्य कभी नहीं जीता। उन्होंने स्वामी प्रसाद मौर्य को नसीहत देते हुए कहा कि आसमान की तरफ थूकने से बचना चाहिए। इससे नुकसान खुद को ही होता है। साथ ही कहा कि हमारी पार्टी के धर्म को लेकर कोई बयान न देने के सख्त निर्देश हैं। जो भी इस तरह का बोलता है, वह उसका निजी बयान है।

ज्ञात हो कि सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य लगातार विवादित बयान दे रहे हैं। अब उनका एक और बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वह कहते हुए नजर

आ रहे हैं कि हिंदू धर्म नाम का कोई धर्म ही नहीं है। हिंदू धर्म केवल धोखा है। उन्होंने कहा कि ब्राह्मणवाद की जड़ें काफी गहरी हैं और ब्राह्मण धर्म को ही हिंदू धर्म कहा जा रहा है। हिंदू धर्म दरअसल, पिछड़ों, आदिवासियों और दलितों को मकड़जाल में फंसाने की एक साजिश है। हिंदू अगर एक धर्म होता तो वहां दलितों और पिछड़ों का भी सम्मान होता। उन्होंने कहा कि हमारे देश में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया गया है। इस दौरान सपा नेता ने राष्ट्रपति पर भी विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा कि हम लोग भले ही पागल होकर के हिंदू धर्म के लिए मरें पर ब्राह्मणवादी व्यवस्था के चालाक लोग हमें आदिवासी मानते हैं। ऐसा ही व्यवहार भारत के पूर्व राष्ट्रति रामनाथ कोविंद के साथ हुआ। दलित होने के कारण उन्हें मंदिर में जाने से रोका गया।

सुप्रीम कोर्ट के वकील ने दर्ज कराई एफआईआर

नई दिल्ली। बीते दिनों हिंदू धर्म को लेकर दी गई टिप्पणी पर समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य फंस गए हैं। सुप्रीम कोर्ट के वकील विनीत जिंदल ने स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ दिल्ली पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है। विनीत जिंदल ने कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य के द्वारा दिया गया बयान समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने वाला है। उनका बयान भड़काऊ और अपमानजनक हैं। यह एक संज्ञेय अपराध है। इससे पहले सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा था कि हिंदू धर्म नाम का कोई धर्म ही नहीं है। हिंदू धर्म केवल धोखा है।

आजीविका मिशन में करोड़ों की लूट : दिग्विजय

» मुख्य सचिव और बेलवाल की लोकायुक्त से की शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले कांग्रेस ने भाजपा को भ्रष्टाचार के मुद्दे पर घेराबंदी तेज कर दी है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, मप्र नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह और अन्य नेताओं के साथ मध्यप्रदेश के लोकायुक्त को प्रदेश के मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस और मप्र ग्रामीण आजीविका मिशन के सीईओ ललित मोहन बेलवाल के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत की है। कांग्रेस ने दोनों के खिलाफ लोकायुक्त संगठन से जांच कराकर प्रकरण दर्ज करने की मांग की है।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए विवेक तन्खा ने कहा कि मप्र के महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट में मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन में 500 करोड़ से अधिक का घोटाले का आरोप है। सीएजी की रिपोर्ट में ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों में वितरित किए जाने वाले पोषण आहर में भारी भ्रष्टाचार किया है। पोषण आहार बनाने वाली सातों फैक्ट्रियों से पोषण आहार के उत्पादन, वितरण में भारी अनियमिताएं पाई गई हैं। सीएजी ने आठ जिलों की रिपोर्ट में लिखा है कि कंपनियों से फेक उत्पादन, स्कूटर और ऑटो के वाहन नंबर को ट्रक का नंबर बताकर पोषण आहार का परिवहन करना बताया गया है। सीएजी ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि पोषण आहार मामले की स्वतंत्र विजलेंस एजेंसी से जांच कराई जाए। लेकिन प्रदेश सरकार ने लोकायुक्त को जांच करने की जिम्मेदारी नहीं दी। वहीं मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव का काउंट डाउन शुरू होने के साथ ही आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। कुंडलपुर में बजरंग दल को लेकर दिग्विजय सिंह के ट्वीट पर सियासत गरमा गई है। जिला प्रशासन ने दिग्विजय सिंह के ट्वीट को भ्रामक और तथ्यहीन बताया है। पूर्व सीएम और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने ट्वीट किया कि आचार्य श्री विद्या सागर महाराज जी द्वारा पल्लवित देश के सबसे भव्य मंदिरों में से एक श्री दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र, कुंडलपुर परिसर में रात से बजरंगदल के कथित असामाजिक तत्वों द्वारा शिवजी की पिंडी रख उत्पात शुरू कर चुके हैं। स्थिति कभी भी गंभीर मोड़ ले सकती है। यह गंभीर विषय है। प्रशासन तत्काल कार्रवाई करे। उन्होंने ट्ववीटर पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और मध्य प्रदेश के डीजीपी को भी टैग किया।

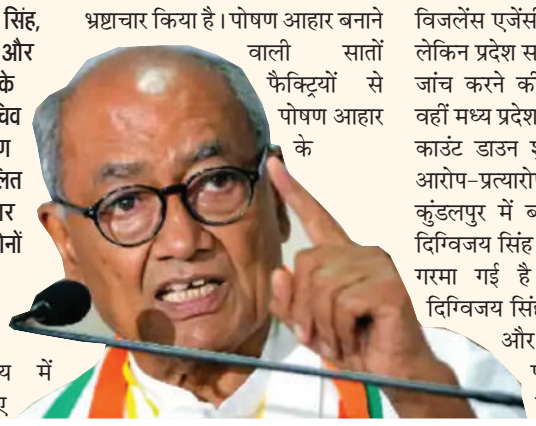

सरकार ने नहीं कराई जांच : तन्खा

कांग्रेस नेता विवेक तन्खा ने कहा कि सीएजी की रिपोर्ट में सातों कंपनियों में बेलवाल के कार्यकाल में पोषण आहार में 500 करोड़ का फेक प्रोडक्शन, फेक डिस्ट्रीब्यूशन आया है। सीएजी ने सैंपल के आधार पर यह जांच की थी। इसके बाद प्रदेश के सभी जिलों की जांच कराने को कहा था, लेकिन सरकार ने जांच नहीं कराई।

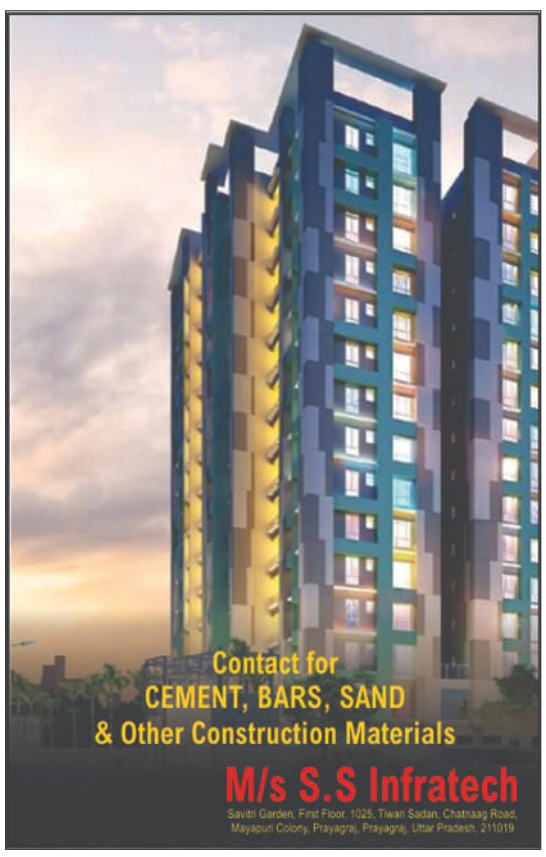

इंडिया भारत को जोड़ने को तैयार

- सपा, जदयू, रालोद व टीएमसी ने कसी कमर
- फिर एकबार जन-जन के बीच जाएंगे नीतीश, अखिलेश और ममता
- लोस- 24 चुनाव पर नजर शुरू होगा बैठकों का दौर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुंबई में होने वाले बैठक से पहले आईएनडीआईए (इंडिया) ने अपने सभी तीर व तरकश दुरुस्त करने शुरू कर दिए है। गंठबंधन में सहयोगियों की संख्या बढ़ाने के लिए भी कवायद शुरू हो गई है। नीतीश, ममता से लेकर जयंत तक ने एनडीए को पछाड़ने के लिए कमर कसना शुरू कर दिया है। इंडिया में शामिल सभी दलों के नेता मौका मिलते ही भाजपा व मोदी सरकार पर हमले में कोई कोताही नही बरतते हैं। कुल मिलाकर सारे दलों की नजर में 2024 के चुनाव पर गड़ी हुई है ।

वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि इंडिया गठबंधन बीजेपी को सत्ता से दूर करेगा। तृणमूल (टीएमसी) छात्र परिषद के स्थापना दिवस के मौके पर रैली से ममता बनर्जी ने सीधे राज्यपाल सीवी आनंद बोस पर निशाना साधा। उन्होंने शिक्षा को लेकर भी कड़ा संदेश दिया। साथ ही साथ चुनाव को लेकर भी बात रखी। उन्होंने कहा कि राज्यपाल संवैधानिक नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, मैं इस पद का सम्मान करती हूं लेकिन उनकी असंवैधानिक गतिविधियों का समर्थन नहीं करती। ममता बनर्जी ने राज्यपाल सी वी आनंद बोस से कहा कि चुनी हुई सरकार से 'पंगा' न लें। यह उत्तर प्रदेश नहीं है, यादवपुर विश्वविद्यालय में 'गोली मारो' का नारा लगाने वालों को गिरफ्तार किया जाएगा। उधर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि वह कुछ भी नहीं बनना चाहते हैं और उनकी एकमात्र इच्छा सभी को एक साथ लाना है। उन्होंने कहा, मुझे कुछ भी नहीं बनना है। मैं बार-बार यही कह रहा हूं। मेरी ऐसी कोई इच्छा नहीं है। मैं तो बस सबको एक करना चाहता हूं। 2024 की महत्वपूर्ण चुनावी लड़ाई के लिए मंच तैयार किया जा रहा है और विपक्षी दल भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को हराने के लिए एकजुट मोर्चा बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इसी रणनीति के तहत, विपक्ष का आईएनडीआईए ब्लॉक 31 अगस्त से 1 सितंबर तक मुंबई में अपनी तीसरी बैठक करेगा, जहां कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाने की संभावना है। अभी तक इस पर कोई स्पष्टता नहीं है कि संयोजक किसे बनाया जा सकता है। हालांकि, इस रेस में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का भी खूब नाम चल रहा है। इसी को लेकर उनसे सवाल पूछा गया।

लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराएंगे : ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में कहा कि यदि लोकसभा चुनाव दिसंबर में ही करा दिए जाएं, तो हैरानी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि हमने बंगाल में माकपा के शासन को समाप्त किया, अब हम लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराएंगे। कोलकाता के पास अवैध पटाखा फैक्टरी में विस्फोट के मामले पर ममता बनर्जी ने कहा कि कुछ पुलिसकर्मियों के समर्थन से कुछ लोग गैरकानूनी गतिविधियों में संलिप्त थे। उन्होंने कहा कि हमने बंगाल में माकपा के शासन को समाप्त किया, अब हम लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराएंगे।

इंडिया को मजबूती देंगे अखिलेश

सपा प्रमुख अखिलेश यादव गठबंधन 'इंडिया' को मजबूती देने के लिए जीजान से जुटेंगे, और इसलिए विपक्षी समावेशी गठबंधन 'इंडिया' के लिए घोसी की सीट अब प्रतिष्ठा का सवाल बन गई है। उसके नेता हरसंभव प्रयास कर रहे हैं कि यह चुनाव उनके पक्ष में रहे, ताकि इसके जरिये पूरे देश में गठबंधन की सफलता का संदेश दिया जा सके। यही वजह है कि सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव 29 अगस्त को चुनाव प्रचार के लिए घोसी जाएंगे। सपा के प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल और महासचिव शिवपाल सिंह यादव समेत सभी प्रमुख दिग्गज नेता वहां पहले से ही डेरा जमाए हैं। सपा के प्रत्याशी सुधाकर सिंह को कांग्रेस, रालोद और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी का भी समर्थन मिल चुका है। ये सभी 'इंडिया' के घटक दल हैं। सभी ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा के खिलाफ माहौल बनाने के लिए सपा प्रत्याशी को जिताने का आह्वान किया है। अगर चुनाव में जनता का फैसला सपा के पक्ष में रहा तो 'इंडिया' ने इसे बड़े पैमाने पर प्रचारित करने का फैसला भी किया है। जिससे कि पूरे देश को यह संदेश दिया जा सके कि यूपी में इस प्रयोग को जनता ने पसंद किया है। क्षेत्र में शिवपाल यादव कई दिनों से घर-घर जाकर संपर्क कर रहे हैं। छोटी-छोटी सभाएं कर मतदाताओं से कह रहे हैं कि यह सीट उनकी व्यक्तिगत प्रतिष्ठा से भी जुड़ गई है, इसलिए पार्टी प्रत्याशी को सफलता दिलाने में कोई कसर न छोड़ें। प्रो. रामगोपाल यादव भी स्थानीय कार्यकर्ताओं से मिलकर उन्हें बूथ स्तर पर वोटों के मैनेजमेंट के गुर बता रहे हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक अखिलेश यादव मंगलवार को घोसी पहुंचकर सभा करेंगे। सपा लगातार कह रही है कि उनके समर्थक मतदाताओं को पुलिस-प्रशासन की मदद से बूथ तक आने से रोका जाता है। इसलिए अखिलेश घोसी की धरती से आह्वान करेंगे कि बिना डरे मतदान करें। अगर कहीं कोई रोके तो तत्काल सूचना दें, ताकि 'इंडिया' के नेता हर फोरम पर इस मुद्दे को तत्काल उठा सकें। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव कार्यकर्ताओं में भी जोश भरेंगे कि यह सिर्फ एक सीट का उपचुनाव नहीं है, बल्कि इसका संदेश लोकसभा चुनाव के लिहाज से भी दूर तक जाएगा।

जयंत चौधरी ने भी ठोंकी ताल

रालोद के एनडीए में जाने की चर्चाओं को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी हर जगह सफाई दे रहे हैं। अब उन्होंने राजस्थान के धौलपुर में किसान सम्मेलन में कहा कि ऐसी कोई मिठाई नहीं बनी है जो जिसको खाकर लोकदल का फैसला बदल जाए। जयंत चौधरी ने वहां कहा कि मुझे लोग दावत देना चाहते हैं, लेकिन मैं किसान के परिवार से हूं और किसान जिद्दी होता है। मेरे लिए रोटी और चटनी ही दावत की तरह है। इसके बाद जयंत ने कहा कि मिठाई बहुत लोगों को पसंद होती है। लेकिन ऐसी मिठाई उन्होंने कहा कि लोकदल का कार्यकर्ता कभी विचलित नहीं होता है और आप विचलित मत होना। लोग खुद ही विश्लेषण करते हैं, जबकि उन विश्लेषण करने वालों से मेरी मुलाकात तक नहीं हुई। मुजफ्फरनगर में बच्चे को स्कूल में पिटवाने के वायरल वीडियो का जिक्र करते हुए कहा कि गले मिलो, भूल जाओ, लेकिन फिर ऐसा नहीं होगा। इसका कुछ नहीं पता है। वक्त आ गया है कि इन चीजों से मुंह न मोड़ो। कुछ लोग युवाओं को मायाजाल में फंसाकर उनको प्रयोग कर रहे हैं, उनको सही रास्ता दिखाना हमारा काम है। कहा कि अपने माता-पिता से ज्यादा शिक्षक की बात मानते हैं और उनपर विश्वास करते हैं। लेकिन यहां एक बच्चे को दूसरे बच्चों से पिटवाया जा रहा है। उस परिवार से बात हुई। बच्चे के पिता ने कहा कि हम नहीं चाहते कि हमारे गांव में कोई झगड़ा हो। इससे पता चलता है, जहां इंडिया के घटक दल के विधायक हैं, वहां आज भी ऐसे विचार जिंदा हैं। वह तोड़ने का काम करते हैं और हम जोड़ने का करते हैं।

सबको एक होंगे तो आएगा बदलाव : नीतीश

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि वह कुछ भी नहीं बनना चाहते हैं और उनकी एकमात्र इच्छा सभी को एक साथ लाना है। उन्होंने कहा, मुझे कुछ भी नहीं बनना है। उन्होंने कहा है कि अगर एकजुट होंगे तो 24 में बड़ा बदलाव दिखेगा। बिहार के सीएम ने कहा कि मैं बार-बार यही कह रहा हूं। मेरी ऐसी कोई इच्छा नहीं है। मैं तो बस सबको एक करना चाहता हूं। विशेष रूप से, कुमार ने कई बार इस बात से इनकार किया था कि वह प्रधान मंत्री बनने की इच्छा रखते हैं, उन्होंने कहा था कि वह ब्लॉक से कुछ भी व्यक्तिगत नहीं चाहते है। बिहार भाजपा प्रमुख सम्राट चौधरी की कथित टिप्पणी भारत वास्तव में 1947 में नहीं बल्कि 1977 में जेपी आंदोलन के बाद आजाद हुआ के बारे में पूछने पर नीतीश ने कहा कि मैं उनकी किसी भी बात पर ध्यान नहीं देता, अगर कोई आजादी के बारे में नहीं जानता, तो इससे पता चलता है कि वह कितना अवैध है। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा, उन्हें कुछ भी बकवास करनी है। स्वतंत्रता दिवस हर कोई मनाता है। वे 15 अगस्त को राष्ट्रीय ध्वज क्यों फहराते हैं?...वे मुद्दे आधारित विषयों पर नहीं बोलते हैं। किसी न किसी तरीके से इतिहास को बदलने की कोशिश की जा रही है। उनका कोई मूल्य नहीं है। ये बात कोई सुनेगा तो हंसेगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

दुनिया मानती है भारत के वैज्ञानिकों का लोहा

भारतीय वैज्ञानिकों का लोहा पूरे दुनिया में माना जा रहा है। चंद्रयान-3 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंड कराकर भारत ने जहां इतिहास रचा वहीं हमारे वैज्ञानिकों ने भी यह जता दिया सीमित संसाधन में वह कुछ बड़ा भी कर सकत हैं। भारत के वैज्ञानिक दुनिया के कई बड़े अंतरिक्ष संगठनों से जुड़े है। अब भारतीय वैज्ञानिक चंदा का रहस्य जानने में जुटने के बाद सूर्य के राज जानने की तैयारी में लगे हैं। इसरो ने इसके लिए तैयारी शुरू कर दी है। अंतरिक्ष एजेंसी ने नागरिकों को श्रीहरिकोटा में लॉन्च व्यू गैलरी से लॉन्च देखने के लिए भी आमंत्रित किया। इसरो ने कहा कि सूर्य का अध्ययन करने वाली पहली अंतरिक्ष-आधारित भारतीय वेधशाला, आदित्य-एल 1 का प्रक्षेपण 2 सितंबर, 2023 को 11: 50 बजे श्रीहरिकोटा से निर्धारित है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार (28 अगस्त) को घोषणा की कि आदित्य-एल1 मिशन, जो सूर्य का अध्ययन करने वाला पहला अंतरिक्ष-आधारित भारतीय वेधशाला बन जाएगा, 2 सितंबर, 2023 को सुबह 11.50 बजे श्रीहरिकोटा से लॉन्च किया जाएगा। आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान को एल1 (सूर्य-पृथ्वी लैग्रेंजियन बिंदु) पर सौर कोरोना के दूरस्थ अवलोकन और सौर हवा के इन-सीटू अवलोकन प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो पृथ्वी से लगभग 1.5 मिलियन किलोमीटर दूर है। नागरिकों को यहां पंजीकरण करके श्रीहरिकोटा में लॉन्च व्यू गैलरी से लॉन्च देखने के लिए आमंत्रित किया जाता है। इसरो के अनुसार, आदित्य एल1 सूर्य का अध्ययन करने वाला पहला अंतरिक्ष-आधारित भारतीय मिशन होगा। अंतरिक्ष यान को सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के लैग्रेंज बिंदु 1 (एल1) के चारों ओर एक प्रभामंडल कक्षा में रखा जाएगा, जो पृथ्वी से लगभग 1.5 मिलियन किमी दूर है। एलवी बिंदु के चारों ओर प्रभामंडल कक्षा में रखे गए उपग्रह को बिना किसी ग्रहण/ग्रहण के सूर्य को लगातार देखने का प्रमुख लाभ होता है। इससे वास्तविक समय में सौर गतिविधियों और अंतरिक्ष मौसम पर इसके प्रभाव को देखने का अधिक लाभ मिलेगा। अंतरिक्ष यान विद्युत चुम्बकीय और कण और चुंबकीय क्षेत्र डिटेक्टरों का उपयोग करके प्रकाशमंडल, क्रोमोस्फीयर और सूर्य की सबसे बाहरी परतों (कोरोना) का निरीक्षण करने के लिए सात पेलोड ले जाता है। विशेष सुविधाजनक बिंदु एलवी का उपयोग करते हुए, चार पेलोड सीधे सूर्य को देखते हैं और शेष तीन पेलोड लैग्रेंज बिंदु एलवी पर कणों और क्षेत्रों का इन-सीटू अध्ययन करते हैं, इस प्रकार अंतरग्रहीय माध्यम में सौर गतिशीलता के प्रसार प्रभाव का महत्वपूर्ण वैज्ञानिक अध्ययन प्रदान करते हैं। अगर भारत का सूर्य का यह अभियान सफल हो जाता है तो देश की ताकत पूरी दुनिया और मजबूत हो जाएगी।

भारत के वैज्ञानिक दुनिया के कई बड़े अंतरिक्ष संगठनों से जुड़े है। अब भारतीय वैज्ञानिक चंदा का रहस्य जानने में जुटने के बाद सूर्य के राज जानने की तैयारी में लगे हैं। इसरो ने इसके लिए तैयारी शुरू कर दी है। अंतरिक्ष एजेंसी ने नागरिकों को श्रीहरिकोटा में लॉन्च व्यू गैलरी से लॉन्च देखने के लिए भी आमंत्रित किया।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

शीघ्र न्याय में भी मददगार हो नयी कानूनी संरचना

सुरेश सेठ

भारतीय लोकतंत्र के चार प्रमुख स्तम्भों में से सबसे मुखर और दिशा-निर्देशक स्तम्भ है न्यायपालिका। संसद का मानसून सत्र समाप्त हो गया। इसकी विशेष उपलब्धि कही जा सकती है कि इस सत्र में सरकार ने न्यायिक क्रांति की ओर भी कदम बढ़ाया। जिसके तहत 150 साल पुराने दासता की मानसिकता वाले न्याय संहिता कानूनों इंडियन पीनल कोड, क्रिमिनल प्रोसीजर कोड और इंडियन एविडेंस एक्ट को भारतीय रूप देने का प्रयास किया गया। इसीलिए पहले तो नाम बदले- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम। लेकिन नाम बदलने के साथ ही न्यायिक प्रक्रिया की तस्वीर भी तो बदलनी चाहिए। जिसका इस समय हाल यह है कि देश की अदालतों में 5 करोड़ मुकदमें लंबित हैं। निचली अदालतों में कम से कम 4 करोड़ केस लंबित हैं। देश के 25 हाईकोर्ट्स में 60 लाख से अधिक केस लंबित हैं। इनमें से 71,594 केस का तीस साल बाद भी फैसला नहीं हो सका, और इनमें 21,039 क्रिमिनल केस हैं जिन पर फैसला तुरंत होना चाहिए था। जिला अदालतों में 23,611 सिविल केस और 67,404 क्रिमिनल केस 30 वर्ष से अधिक के लंबित हैं। आमतौर पर केस दायर करने के बाद एक साल तो फाइलों के नख-शिख संवारने में ही लग जाता है। पिछले दिनों गुजरात हाईकोर्ट के एक जज ने तो यह टिप्पणी भी दी थी कि एक मुकदमा दायर होने के बाद कम से कम पांच साल ले लेता है। ऐसे हालात बदलने चाहिये। देश के लोगों को त्वरित न्याय मिलना चाहिए तभी दासता की निशानियां मिटेंगी। प्राय: समझा जाता है कि अंग्रेजों ने जो कानून बनाए थे, उसमें भारतीयों को न्याय कम व दंड अधिक मिलता था। दंड भी ऐसा कि सबसे पहले तो न्याय की प्रतीक्षा करो और बिना किसी सुनवाई के हिरासत में अपनी एड़ियां रगड़वाते रहो, बाद में जब कभी निर्णय का समय आए तो देखो कि इस बीच दादा का दायर किया हुआ मुकदमा पोता भुगत रहा है और उसको न्याय मिलने तक पूरी स्थिति ही बदल गई। देश में नये न्यायिक ढांचे का निर्माण होने जा रहा है। गृहमंत्री अमित शाह ने जो नये विधेयक प्रस्तुत किए हैं, वे अब सोच-विचार के लिए चयन समिति के पास जाएंगे।

इसके बाद जब शरद सत्र आएगा अर्थात महाचुनाव से पहले का आखिरी सत्र तो उसमें अगर इसका अंतिम प्रारूप तैयार हो जाता है और विधेयक पारित हो जाता है तो अगले वर्ष महाचुनाव के

समय वर्तमान नेतृत्व यह तो कह सकेगा कि हमने न्यायिक ढांचे में आमूल-चूल परिवर्तन कर दिया। लेकिन यह परिवर्तन होगा कैसे? जिस क्रांति की उम्मीद न्यायिक ढांचे के बदलाव से की जा रही है उसका क्रियान्वयन और गतिशील रूप क्या ऐसा होगा कि एक आम जन को कम समय में न्याय मिल जाए। धरातल पर इसके बारे में सोचते हैं तो सबसे पहले इसके लिए पुलिस के जांच-पड़ताल के तरीकों में सुधार की आवश्यकता है। अगर जांच में वही गाली-जूते का प्रयोग होगा तो बात कैसे बनेगी? एक और बात, नीचे की अदालतों में झूठी गवाही देने वाले भी मुकदमों को लंबित कर देते हैं। ऐसे में जब न्यायिक ढांचा बदल ही रहे हैं तो झूठी गवाही देने वालों को अपराधी घोषित कर दंड देने का प्रावधान भी हो। इसके अलावा जैसा कि पेश प्रारूप में सुझाव भी दिया गया है, सुनवाई का स्थगन किसी भी स्तर पर दो बार से अधिक नहीं होना चाहिए। सरकार राहत देने के लिए 90 दिनों की अवधि तो निश्चित कर रही है कि 90 दिनों में हर हाल में पड़ताल के बाद मुकदमे की सुनवाई शुरू हो जाए। अगर नहीं शुरू होती तो इसके लिए 30 दिन से अधिक का विस्तार नहीं दिया जाएगा। यूरोपीय देशों में समय से कानूनी प्रक्रिया निपटाने के सख्त प्रावधान हैं। बंगलादेश में भी ऐसी व्यवस्था है तो यहां क्यों नहीं? क्यों पुलिस के स्तर पर ही जांच-पड़ताल में ईमानदारी का अभाव नजर आता है और निपुणता से खोज-तलाश का भी? क्या यह नहीं हो सकता कि ईमानदार सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों को भी इस पड़ताल का पथ-प्रदर्शन करने की इजाजत दी जाए। वहीं डिजिटल उपकरणों, कृत्रिम मेधा का उपयोग और एआई से लैस रोबोट मानव आखिर किस दिन सटीक जांच-पड़ताल करते नजर आएंगे?

अगर यह दुनिया नये दावों के साथ पुराने तरीकों से ही चलती रहेगी यानी पुलिस से लेकर जेल अधिकारी व पैरवी करने वाले तक भ्रष्टाचार के संदेह के घेरे में होंगे तो भला न्याय मिलेगा कैसे? क्या ऐसा नहीं हो सकता कि वरिष्ठजनों को न्याय देने के लिए कुछ और फास्ट ट्रैक इस्तेमाल किए जाएं? लेकिन अब फास्ट ट्रैक के नाम पर जो मुकदमें होते हैं या जिस तरीके से उनकी सुनवाई और पैरवी होती है तो लगता है कि इस फास्ट ट्रैक भी चाल भी बिगड़ गयी है। दूसरी ओर, नई न्यायिक व्यवस्था के नाम पर पंच निर्णयों और लोक अदालतों की बहुत बात होती है लेकिन पंच निर्णयों से आपस में जूझती पार्टियां कहां संतुष्ट होती हैं?

व्यक्ति में शक्ति का संचार करता है टहलना

रेनू सैनी

आपने अक्सर बड़े-बूढ़ों को कहते सुना होगा कि, 'अगर परीक्षा में अच्छे अंक लाने हैं तो घूम-घूम कर यानी टहलते हुए कॉपी को हाथ में लेकर उत्तर याद कीजिए।' यह सत्य है कि जमीन पर टहलते हुए उत्तर जल्दी याद हो जाते हैं। केवल उत्तर ही याद नहीं होते बल्कि जीवन की कठिन से कठिन समस्याओं के हल भी टहलते हुए मिल जाते हैं। पृथ्वी को मां कहा जाता है। इसकी गोद में अनेक ऐसे प्राकृतिक जादुई तत्व छिपे हुए हैं जो व्यक्ति को जीवन-शक्ति प्रदान करते हैं। स्विट्जरलैंड के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक शोध संगठन में प्रकाशित एक रिव्यू के अनुसार, 'शरीर का पृथ्वी के संपर्क में आने से शरीर की विद्युत-चुंबकीय व्यवस्था पर सकारात्मक असर पड़ता है। इससे हृदयगति और शरीर में ग्लूकोज के रेग्यूलेशन में सुधार आता है।'

वैज्ञानिक नये-नये आविष्कार पृथ्वी के सान्निध्य में ही खोज पाते हैं। सर आइजक न्यूटन को आज पूरी दुनिया एक महान वैज्ञानिक के रूप में जानती है। उन्होंने गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत पृथ्वी की गोद में बैठ कर ही लगाया था। इसके बारे में न्यूटन ने अपने समकालीन वैज्ञानिक विलियम स्टयूक्ली को बताया था। विलियम स्टयूक्ली बताते हैं कि तब न्यूटन कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में पढ़ते थे। प्लेग फैलने के कारण विश्वविद्यालय बंद होने पर वे अपने घर चले गए। एक दिन वह जमीन पर एक पेड़ के नीचे बैठे कुछ सोच रहे थे तभी एक सेब उनके पास आकर गिरा। उन्होंने सोचा कि ये सेब सीधा ही क्यों गिरा? अगल-बगल या ऊपर क्यों नहीं गिरा। इसका मतलब धरती उसे खींच रही है। मतलब उसमें आकर्षण है। इस तरह गुरुत्वाकर्षण के नियम के बारे में दुनिया को पता चला। पृथ्वी में असीम चुंबकीय शक्ति है। जब व्यक्ति धरती पर सोते हैं, बैठते हैं और चलते हैं तो उनके अंदर असीम ऊर्जा एवं शक्ति का संचार होता है।

अमेरिका से प्रकाशित एक लेख में इस बात का जिक्र है कि, 'जब मनुष्य का शरीर मिट्टी के संपर्क में आता है तो लाल रक्त कोशिकाओं की सतह पर इलेक्ट्रॉनिक चार्ज में वृद्धि होती है। इससे नसों और धमनियों के अंदर रक्त की प्रवाहशीलता बढ़ती है। रक्त प्रवाह बढ़ने से हृदय को लाभ पहुंचता है। जब व्यक्ति नंगे पैर जमीन पर चलता है तो वह सीधा पृथ्वी के संपर्क में होता है। हमारे पैरों के तलवों में शरीर के हर अंग से संबंधित एक्यूप्रेशर रिफ्लेक्स पॉइंट होते हैं। जब हमारे पैर ऊबड़-खाबड़ पृथ्वी पर पड़ते हैं तो शरीर के वजन के दबाव से अनजाने में इन रिफ्लेक्स पॉइंट्स पर दबाव पड़ता है और उनसे संबंधित शरीर के अंगों को लाभ पहुंचता है। आज लोगों ने व्यस्तता के चलते पैदल चलना कम कर दिया है। इसलिए एक्यूप्रेशर जैसे उपकरणों की आवश्यकता पड़ती है। यदि व्यक्ति प्रतिदिन सुबह केवल आधे घंटे ही घास पर नंगे पैर चले तो वह पूरी तरह से स्वस्थ रह सकते हैं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि पृथ्वी पर नंगे पैर टहलने के लिए आपको कोई शुल्क नहीं देना है। पृथ्वी अमीर-गरीब का भेद नहीं करती। यह सबको अपनी गोद में जगह देती है। नि:शुल्क वस्तु के मूल्य को अक्सर लोग समझ नहीं पाते। वे उसे तभी समझ पाते हैं जब बहुत कुछ खो चुके होते हैं और प्राप्ति के लिए वापस नि:शुल्क वस्तु की ओर ही लौटते हैं।

अक्सर हम सभी के साथ कभी न कभी ऐसा होता है जब जिंदगी बहुत उलझती-सी दिखाई देती है। अकेलापन मन को कचोटने लगता है। उस समय सब कुछ भूलकर नंगे पैर शांत मन से धरती पर टहलिए तो आप पाएंगे कि जिंदगी के उलझे समीकरण सहजता से सुलझने लगे हैं। अनेक उलझनों को जमीन पर टहलकर सरलता से सुलझाया जा सकता है। महान दार्शनिक रूसो का कहना है कि, 'मैं केवल चलते हुए ही ध्यान लगा सकता हूं। मैं जब भी रुकता हूं तो मेरा सोचना भी बंद हो जाता है।' सोचने की गति पर विराम न लगे, उसमें नई-नई सकारात्मक बातें आएं इसलिए धरती पर टहलिए। जर्मन दार्शनिक फ्रेडरिक नीत्शे तो यहां तक कहते थे कि, 'किसी भी ऐसे विचार पर विश्वास न करें, जो खुली हवा और किसी हरकत के बिना आया हो, जिसमें मांसपेशियों को आनंद न मिला हो।' साधु-संत सदैव पृथ्वी के संसर्ग में ही धूनी रमाते हैं और तपस्या में रत रहते हैं। तपस्या कभी भी बिस्तर पर नहीं की जाती। पृथ्वी की कठोर आंच ऋषि-मुनियों के शरीर को वज्र जितना मजबूत बना देती है। ऋषि दधीचि को भला कौन भूल सकता है? उन्होंने वृत्रासुर का अंत करने के लिए अपनी अस्थियां दान कर दी थीं। उन्हीं अस्थियों से ऐसे अस्त्र का निर्माण हुआ जिससे वृत्रासुर का अंत हुआ।

एक अबोध शिशु माता के गर्भ से निकलने के बाद जब चलने लायक हो जाता है तो अपना पहला पांव जमीन पर ही रखता है। जब जमीन के साथ बालक के पांव टकराते हैं तो पृथ्वी उस पर अपना समूचा आशीर्वाद बरसाती है और उसके शुभ जीवन की कामना करती है। टहलना भी एक ऐसी ही कला है जैसी बातचीत की, जैसी नृत्य की या फिर जैसी गायन की। बस इस कला को पृथ्वी की गोद में टहलते हुए ही महसूस किया जा सकता है। टहलने में एक सुर है, लय है, गति है। यह सुर, लय और गति व्यक्ति के अंदर शक्ति का संचार करती है। अब से प्रतिदिन पृथ्वी पर टहलने का समय जरूर निकालिए।

रक्षाबंधन

हर भाई बहन के लिए करे ये काम

भाई-बहन के रिश्ते का सबसे बड़ा पर्व रक्षाबंधन इस वर्ष 30 और 31 अगस्त 2023 को मनाया जा रहा है। रक्षाबंधन के नाम से ही स्पष्ट है, ऐसा बंधन या रिश्ता तो रक्षा सूत्र में बंधा हो। रक्षाबंधन के मौके पर बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं। राखी के बदले भाई बहन की रक्षा का वचन लेता है। बहन की हर परेशानी में सहायता करने, उसके सुख दुख में साथ देने का काम एक भाई ही करता है। हालांकि आज के दौर में रक्षा का मतलब बहन पर प्रतिबंध लगाना, उन्हें रोकना टोंकना, घर से बाहर अकेले जाने से मना करना, कपड़ों को लेकर रोकटोक करने मात्र से है। हर भाई को राखी का फर्ज निभाते हुए बहन की रक्षा के लिए कुछ और तरीकों को अपनाना चाहिए। हर भाई को बहन के लिए इन पांच कामों को करना शुरू कर देना चाहिए, ताकि उनके बीच का रिश्ता मजबूत हो सके और भाई की गैरमौजूदगी में भी बहन सुरक्षित रह सके।

रक्षाबंधन का शुभ मुहूर्त

31 अगस्त को सिद्ध योग में रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जाएगा। इसबार सावन पूर्णिमा 30 अगस्त को दिन के 10:19 बजे से 31 अगस्त की सुबह 7:53 बजे तक रहेगी। लेकिन, 30 अगस्त की शाम तक भद्रा रहने के कारण उदया तिथि की पूर्णिमा में 31 अगस्त की सुबह से रक्षाबंधन होगा।

बहन को सिखाएं आत्मरक्षा के गुण

हर लड़की को आत्मरक्षा के गुण आने चाहिए। हर समय भाई बहन के साथ नहीं रह सकता है। स्कूल-कॉलेज से दफ्तर जाने और शादी के बाद ससुराल जाने पर बहन अपने भाई से दूर हो जाती है। ऐसे मौके पर बहन को अपनी रक्षा स्वयं करनी होगी। इसलिए भाई बहन को आत्मरक्षा के बारे में सिखाएं। बहनों का दाखिला कराटे, बॉक्सिंग क्लास में कराएं, ताकि वह किसी अजनबी खतरे से बच सकें।

बहन को रोकें-टोकें नहीं

समाज से बहन को बचाने के लिए भाई उन पर रोक टोक लगाते हैं। इससे आप बहन की रक्षा नहीं करते, बल्कि उसे कैद करते हैं। स तरह की सोच से निकलें।

बहन का बढ़ाएं आत्मविश्वास

अक्सर लड़कियां बाहर जानें, दूसरों के सामने खुल कर अपने विचार रखने या कई छोटी-बड़ी चीजों से डर जाती हैं। इसका कारण होता है कि उन्हें आत्मविश्वास की कमी होती है। लड़कियां शारीरिक तौर पर कमजोर हो सकती हैं लेकिन हर भाई को अपनी बहन को शारीरिक तौर पर मजबूत बनाने के साथ ही मानसिक तौर पर भी बलवान बनाने की जरूरत होती है। बहन का आत्मविश्वास बढ़ाएं। उन्हें बताएं कि आप हमेशा उनके साथ हैं। बहन को अकेले बाहर जानें दें, उन्हें अपने काम खुद करने दें।

बहन को बनाएं आत्मनिर्भर

हर भाई को चाहिए कि वह अपनी बहन को आत्मनिर्भर बनाएं। पिता, भाई या पति पर निर्भर रहने के बजाए जीवन में खुद के पैरों पर खड़े रहने की सीख दें। जैसे अगर बहन कॉलेज या दफ्तर जाने के लिए आप पर निर्भर है तो उसे स्कूटी या कार ड्राइव करना सिखाए और अकेले जाने के लिए प्रोत्साहित करें। बहन अगर घर पर मां के साथ घरेलू कामों में हाथ बंटाती है तो उसे पढ़ाई और नौकरी के लिए प्रोत्साहित करें। आर्थिक तौर पर भी बहन को आत्मनिर्भर बनाएं।

फैसले में दें बहन का साथ

अधिकतर लड़कियों के जीवन के फैसले पहले पिता या भाई और शादी के बाद पति लेते हैं। लड़की को क्या पहनना है, कहां और क्या पढ़ना है, नौकरी और फिर शादी तक के हर बड़े फैसले में उनसे अधिक माता पिता का हस्तक्षेप होता है। रक्षा का वचन देने वाले भाइयों को बहन के अधिकारों की रक्षा भी करनी चाहिए। बहन के जीवन के फैसले उसे खुद लेने दें। उन्हें फैसले लेना सिखाएं और उनके फैसलों में साथ दें ताकि जब आप उनके पास न हों तब भी वह निडरता से अपने जीवन को किस राह ले जाना है, यह खुद तय कर सकें।

हंसना मना है

लड़का-डार्लिंग तुम कहां थी, मैं कल से तुम्हारा फोन लगा रहा हूं, लड़की- सॉरी बेबी, मैं फ्रेंड के साथ मॉल में गयी थी , बहुत सारा सामान खरीदा, लड़का-वाओ, क्या क्या लिया? लड़की-ज्यादा कुछ नहीं, बस 2 ब्रेसलेट, 1 रुमाल और 300 सेल्फी।

प्रेमिका (प्रेमी से)- क्या शादी के बाद भी तुम मुझे इतना प्यार करोगे? प्रेमी (प्रेमिका से)- क्यों नही? मुझे तो शादीशुदा लड़कियां बहुत पसंद है।

प्रेमिका- तुम तो बस काम में लगे रहते हो! मेरी तो परवाह ही नहीं करते! प्रेमी- एक बात तुम गौर से सुन लो! प्यार करने वाले किसी की परवाह नहीं करते !

प्रेमी - डार्लिंग मुझे तुम्हारी आंखों में सारी दुनिया दिखाई देती है। पीछे से एक बूढा बोला- हमारी गाय नहीं मिल रही! दिखे तो बताना।

पत्नी ने डॉक्टर से कहा- डॉक्टर साहब ! मेरे पति नींद में बड़बड़ाते हैं। डॉक्टर ने कहा- इसका कोई इलाज नहीं हैं। पत्नी बोली- कम से कम ऐसी कोई दवा तो उनको दीजिए जिससे उनका बड़बड़ाना साफ सुन सकूं।

कहानी — अपनी पड़ताल स्वयं करें

दूसरों की आलोचना करने वालों को इस घटना को भी स्मरण रखना चाहिए। एक व्यक्ति के बारे में मशहूर हो गया कि उसका चेहरा बहुत मनहूस है। लोगों ने उसके मनहूस होने की शिकायत राजा से की। राजा ने लोगों की इस धारणा पर विश्वास नहीं किया ,लेकिन इस बात की जांच खुद करने का फैसला किया। राजा ने उस व्यक्ति को बुला कर अपने महल में रखा और एक सुबह स्वयं उसका मुख देखने पहुंचा। संयोग से व्यस्तता के कारण उस दिन राजा भोजन नहीं कर सका।वह इस नतीजे पर पहुंचा कि उस व्यक्ति का चेहरा सचमुच मनहूस है। उसने जल्लाद को बुलाकर उस व्यक्ति को मृत्युदंड देने का हुक्म सुना दिया।जब मंत्री ने राजा का यह हुक्म सुना तो उसने पूछा ,महाराज! इस निर्दोष को क्यों मृत्युदंड दे रहे हैं? राजा ने कहा , हे मंत्री! यह व्यक्ति वास्तव में मनहूस है । आज सर्वप्रथम मैंने इसका मुख देखा तो मुझे दिन भर भोजन भी नसीब नहीं हुआ । इस पर मंत्री ने कहा , महाराज क्षमा करें ,प्रातः इस व्यक्ति ने भी सर्वप्रथम आपका मुख देखा। आपको तो भोजन नहीं मिला, लेकिन आपके मुखदर्शन से तो इसे मृत्युदंड मिल रहा है। अब आप स्वयं निर्णय करें कि कौन अधिक मनहूस है । राजा भौंचक्का रह गया। उसने इस दृष्टि से तो सोचा ही नहीं था। राजा को किंकर्तव्यविमूढ़ देख कर मंत्री ने कहा, राज! किसी भी व्यक्ति का चेहरा मनहूस नहीं होता। वह तो भगवान की देन है। मनहूसियत हमारे देखने या सोचने के ढंग में होती है। आप कृपा कर इस व्यक्ति को मुक्त कर दें। राजा ने उसे मुक्त कर दिया। उसे सही सलाह मिली।

7 अंतर खोजें

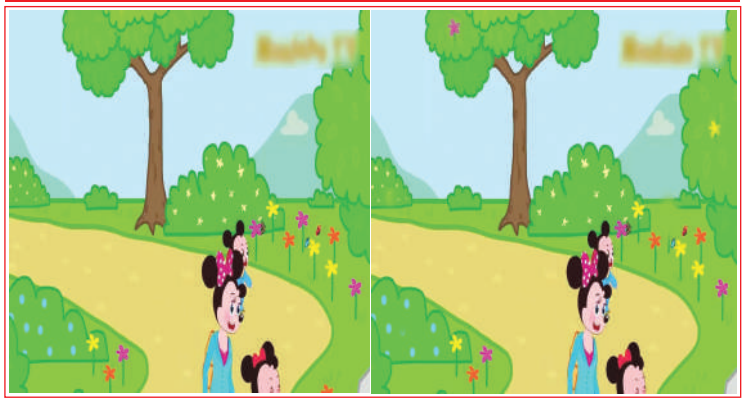

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा।

वृषभ

प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। पारिवारिक चिंता में वृद्धि होगी। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलेगी। तनाव रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है।

मिथुन

प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बाधा संभव है। फालतू खर्च होगा।

कर्क

शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ मनोरंजन का कार्यक्रम बन सकता है।

सिंह

आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें।

कन्या

घर-बाहर सहयोग मिलेगा। अपेक्षाकृत कार्यों समय पर संपन्न होंगे। आय में वृद्धि हो सकती है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है।

तुला

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

वृश्चिक

सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

धनु

कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मकर

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। राज्य के प्रतिनिधि सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

कुम्भ

व्यवसाय ठीक चलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। जल्दबाजी न करें। कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है।

मीन

भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें। प्रमाद न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

गदर के बाद मुझे काम मिलना कम हो गया था : सनी देओल

सनी देओल की गदर-2 बॉक्स ऑफिस पर सफलता की नई इबारत लिख रही है। यह फिल्म 450 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है। इस बीच एक इंटरव्यू के दौरान सनी ने यह बताकर सभी को चौंका दिया कि गदर की सफलता के बाद उन्हें किस तरह संघर्ष के दौर से गुजरना पड़ा। यह फिल्म 2001 में रिलीज हुई और ब्लॉकबस्टर साबित हुई। हालांकि, अभिनेता ने साझा किया कि फिल्म के बाद उन्हें ज्यादा काम नहीं मिल रहा था। उन्होंने कहा, गदर से पहले, मेरे पास कोई समस्या नहीं थी। जब गदर सदी की बहुप्रशंसित फिल्म थी, तब भी मुझे ज्यादा काम नहीं मिल रहा था। जब अभिनेता से इसका कारण पूछा गया तो उन्होंने कहा कि दुनिया बदल रही है और हिंदी फिल्म उद्योग बॉलीवुड बन रहा है। सनी ने तर्क दिया कि कॉरपोरेट्स ने कब्जा कर लिया है और सब कुछ बदल गया था। मेरे पास कोई काम नहीं था। सनी देओल ने आगे कहा कि अब जब वह पीछे मुड़कर देखते हैं तो उन्हें एहसास होता है कि उनका अस्तित्व उनके द्वारा किए गए काम की वजह से है। उन्होंने कहा कि गदर के बाद वह कुछ भी अच्छा नहीं कर रहे थे या किसी लोकप्रिय सिनेमा का हिस्सा नहीं थे। अभिनेता ने कहा कि उन्होंने कभी भी बड़े लोगों या बड़ी कंपनियों के साथ काम नहीं किया, क्योंकि उनका उनसे कोई संबंध नहीं था। इसके बजाय, उन्होंने आने वाले फिल्म निर्माताओं को चुना, जिनमें उन्हें एक ड्राइव दिखाई दी। सनी ने मुस्कुराते हुए बताया कि यह बहुत खुशी की बात है कि आज वही लोग उनके लिए कितने खुश हैं। जब उनसे पूछा गया कि किस बात ने उन्हें अपने कठिन समय के बारे में खुलकर बात करने के लिए प्रेरित किया, तो अभिनेता ने मुस्कुराते हुए कहा, क्योंकि मैं खुश हूं। उन्होंने कहा कि हर कोई उतार-चढ़ाव से गुजरता है और वह ऐसे व्यक्ति हैं जो बुरे समय को जाने देने और अच्छे समय को याद रखने और संजोने में विश्वास करते हैं। ऐसा हर किसी के साथ होता है। दुनिया ऐसी ही है।

अल्लू अर्जुन की दीवानी हैं आलिया

हाल ही में 69वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स की विनर लिस्ट की घोषणा की गई। इस लिस्ट में बेस्ट एक्ट्रेस का खिताब आलिया भट्ट को फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी के लिए और कृति सेनन को फिल्म मिमी के लिए दिया गया। वहीं, पुष्पा: द राइज के लिए अल्लू अर्जुन बेस्ट एक्टर के सम्मान से नवाजे गए। अवॉर्ड की घोषणा के बाद से ही तीनों एक्टर फूले नहीं समा रहे हैं। इसी बीच आलिया ने खास अंदाज में अल्लू को बधाई दी और खुद को उनका फैन बताया। अल्लू अर्जुन ने नेशनल अवॉर्ड विनर्स को बधाई देते हुए एक ट्वीट साझा किया था। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा-बधाई प्रिय आलिया भट्ट, मैं आपको यह पुरस्कार जीतते हुए देखने का बेट कर रहा था। आपकी जीत के लिए मैं बहुत खुश हूं...गंगूबाई काठियावाड़ी, और मिमी के रूप में अद्भुत प्रदर्शन के लिए प्रिय कृति सेनन को हार्दिक बधाई। आप हकदार हैं इसकी। आपके लिए शुभकामनाएं प्रिय।

आलिया भट्ट भी कहा पीछे रहने वाली थी। उन्होंने मौके पर चौंका मारते हुए अपने जवाब से हिंदी दर्शक ही नहीं बल्की साउथ दर्शकों को अपना दीवाना बना लिया। उन्होंने खुद को एक्टर की सबसे बड़ी फैन बताया। आलिया ने लिखा, तुम्हें भी बधाई हो प्रिय पुष्पा। इतना शानदार प्रदर्शन। आपकी सबसे बड़ी फैन। अल्लू अर्जुन ने एक्ट्रेस के ट्वीट पर हंसी वाला इमोजी शेयर किया और लिखा, धन्यवाद... आपको आगे भी पुरस्कारों के साथ देखने का इंतजार है।

कृति सेनन ने कहा थैंक्यू

कृति सेनन ने भी अल्लू अर्जुन को थैंक्यू कहा। उन्होंने लिखा कि वह उनकी फैन हैं। कृति ने पोस्ट शेयर कर लिखा कि, धन्यवाद अल्लू! आपको भी बहुत-बहुत बधाई! मैं आपकी फैन हूं, और आप पुष्पा के रूप में आश्चर्यजनक रूप से अद्भुत थे! इसलिए आप इसके हकदार हैं। अल्लू ने उन्हें जवाब देते हुए ट्वीट किया और लिखा, बहुत बहुत धन्यवाद मेरे प्रिय।

17 साल बाद फिर धमाल बचाएगी अमिताभ और शाहरुख की जोड़ी

मेगास्टार अमिताभ बच्चन और सुपरस्टार शाहरुख खान, जिन्हें आखिरी बार कभी अलविदा ना कहना में एक साथ स्क्रीन शेयर करते हुए देखा गया था, एक नए प्रोजेक्ट के लिए 17 साल बाद स्क्रीन पर एक साथ वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। बिग बी और शाहरुख आखिरी बार 2006 में करण जौहर द्वारा लिखित और निर्देशित रोमांटिक फिल्म कभी अलविदा ना कहना में नजर आए थे। फिल्म में अभिषेक बच्चन, रानी मुखर्जी, प्रीति जिंटा और किरण खेर भी थे।

सूत्र के मुताबिक, एक दिलचस्प प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है जिसमें अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान एक बार फिर साथ में स्क्रीन शेयर करेंगे। इस प्रोजेक्ट से संबंधित बहुत सी खबरें अभी तक सामने नहीं आई हैं, लेकिन जल्द ही और अधिक अपडेट और समाचार सामने आएंगे। यह जोड़ी इससे पहले मोहब्बतें, कभी खुशी कभी गम और वीर जारा जैसी आइकोनिक फिल्मों में स्क्रीन साझा कर चुकी है। शाहरुख खान को एक्शन एडवेंचर फिल्म ब्रह्मास्त्र : पार्ट वन शिवा में नासा के पूर्व वैज्ञानिक मोहन भार्गव के रोल में कैमियो में देखा गया था। फिल्म में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट मुख्य भूमिका में हैं, जबकि अमिताभ ब्रह्मांश के गुरु रघु की अहम भूमिका में नजर आए थे।

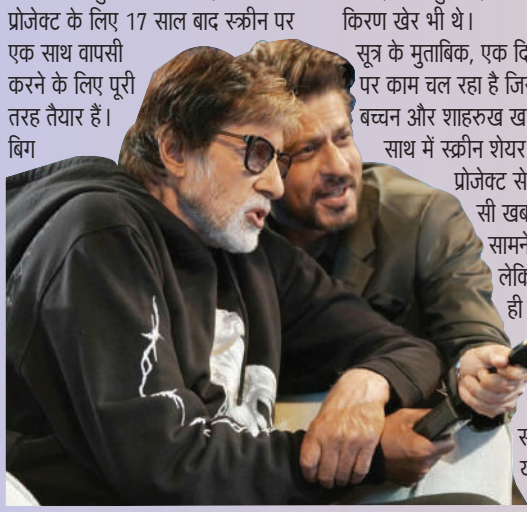

शाहरुख और अमिताभ बच्चन वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो अमिताभ वर्तमान में क्विज-बेस्ड रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति के 15वें सीजन की मेजबानी कर रहे हैं। उनके पास पाइपलाइन में गणपथ, द उमेश क्रॉनिकल्स, कल्कि 2898 एडी और बटरफ्लाई हैं। शाहरुख अपनी एक्शन थ्रिलर जवान की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। फिल्म में नयनतारा, विजय सेतुपति भी हैं, जबकि दीपिका पादुकोण और सान्या मल्होत्रा एक स्पेशल भूमिका में नजर आएंगी। वह सलमान खान स्टारर फिल्म टाइगर 3 में एक कैमियो भूमिका में भी दिखाई देंगे। शाहरुख की झोली में डंकी भी है।

अजब-गजब | दुनिया की सबसे अनोखी मछली

रंग बदलने में गिरगिट को भी पीछे छोड़ती है यह मछली, हैरत में हैं वैज्ञानिक

धरती पर कई तरह के जीव-जन्तु पाए जाते हैं। इनमें कई जीव बेहद अजीबोगरीब और अनोखे होते हैं। गिरगिट एक ऐसा जीव है, जो कई बार अपना रंग बदलता है, लेकिन अब वैज्ञानिकों ने एक अनोखी मछली को खोजा है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि मछली मरने बाद भी अपने परिवेश के मुताबिक अपना रंग बदल सकती है।

वैज्ञानिकों ने अपने नए अध्ययन में हॉगफिश नाम की मछली का पता लगाया है। इस मछली को लैचनोलाईमस मैक्सिमस नाम से जाना जाता है। यह मछली मरने के बाद भी अपना रंग परिवेश के हिसाब से बदल लेती है, जो इसकी सबसे बड़ी खासियत है। यह मछली समुद्र की चट्टानों में रहती है। उत्तरी कैरोलिना से लेकर ब्राजील तक अटलांटिक महासागर में आमतौर पर यह मछली पाई जाती है। शायद मछली दुश्मनों से अपनी रक्षा के लिए और अपने साथी को संकेत देने के लिए ऐसा करती है। वैज्ञानिकों को सबसे अधिक हैरानी यह हुई कि अनोखी मछली मरने के बाद भी अपना रंग

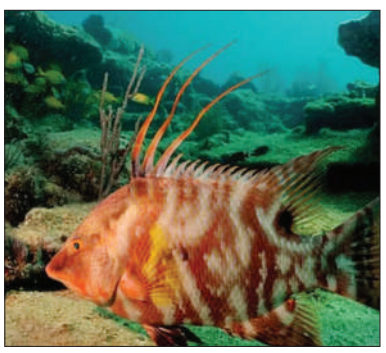

बदल लेती है। नेचर कम्युनिकेशन जर्नल में एक नया शोध प्रकाशित हुआ है। शोध के मुताबिक, विशेषज्ञों ने मछली के अलग-अलग हिस्सों पर प्रकाश के प्रभाव को माइक्रोस्कोपी के इस्तेमाल से निर्धारित किया। वैज्ञानिक मानते हैं कि हो सकता है कि इस प्रक्रिया में त्वचा रंग देने वाले क्रोमैटोफोर के नीचे SWS1 नामक प्रकाश रिसेप्टर्स का काम करता हो। शोधकर्ताओं के मुताबिक, मछलियों को रिसेप्टर्स फीडबैक देते हैं कि उनकी त्वचा के अलग-अलग हिस्सों में कहां और किस प्रकार परिवर्तन हो रहा है।

शोधकर्ताओं के मुताबिक, आंखों की ही तरह इन जीवों की त्वचा प्रकाश के प्रति संवेदनशील होती है। हालांकि वैज्ञानिकों ने साफ तौर पर कहा है कि यह आंख का काम नहीं करती है। विशेषज्ञों ने इस शोध की मदद से हॉगफिश मछली के विकास, आवास और दूसरे व्यवहारों के बारे में पता लगाया है। इसके साथ ही तेजी बदलाव करने की क्षमता के बारे में भी समझा।

शोधकर्ताओं का कहना है कि कि समुद्र में कई ऐसे जीव पाए जाते हैं जिनमें अपने रंग को बदलने की क्षमता होती है। इससे उन्हें बदले तापमान को मैनेज करने, साथी को आकर्षित करने और छिपने में मदद मिलती है। अमेरिका में यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना के शोधकर्ताओं का कहना है कि मछली के शरीर की कोशिकाओं, जिन्हें क्रोमैटोफोरस कहते हैं में रंग द्रव्य, क्रिस्टल या छोटी परावर्तक प्लेटें रहती हैं। यह प्लेटें मछलियों को रंग बदलने में सक्षम बनाती हैं।

अपना जाल नहीं बुनती है ये मकड़ी शिकार के लिए बनाती है सीक्रेट दरवाजा

दुनिया में कई तरह के कीड़े-मकौड़े होते हैं। शायद ही कोई ऐसा इंसान होगा जिसे इन कीड़ों से डर ना लगे। कुछ अपवाद को छोड़ दें तो मकड़ियां किसी को भी खास पसंद नहीं आती। आठ पैरों वाली मकड़ियों को देखकर किसी को भी डर लग सकता है। लेकिन आज हम जो वीडियो आपको दिखाने जा रहे हैं वो आपके डर के लेवल को और भी ज्यादा बढ़ा देगा। आमतौर पर आपने मकड़ियों को जाल बुनते देखा होगा लेकिन ये वाली मकड़ी अपने लिए एक दरवाजा बनाती है वो भी सीक्रेट वाला।

हम बात कर रहे हैं ट्रैपडोर स्पाइडर की। जैसा कि इसका नाम ही बता रहा है कि ये मकड़ियां एक ऐसा दरवाजा बनाती है, जो शिकार को फंसा लेता है। जी हां, ये मकड़ियां जाल नहीं बनाती। उसकी जगह ये जमीन की मिट्टी में छिपी रहती हैं। साथ ही वहीं एक दरवाजा बना लेती है जो किसी को नजर नहीं आता। इस दरवाजे के पीछे से वो अपने शिकार का इंतजार करती है। जैसे ही शिकार दरवाजे के करीब आता है, ये झट से उसपर अटैक कर देती है।

ट्रैपडोर स्पाइडर के शिकार करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया। इसमें एक कीड़ा आराम से जमीन पर जाते नजर आया। उसे इस बात का जरा सा भी अहसास नहीं था कि उसपर नजर रखी जा रही है। वो आराम से अपनी धुन में जा रहा था। तभी उसके नजदीक की जमीन फट जाती है। अंदर से एक स्पाइडर बहार आता है और अपने शिकार को लेकर वापस मिट्टी में चला जाता है। यही है ट्रैपडोर स्पाइडर के शिकार का तरीका।

ये मकड़ी जला बनाकर उसमें रहने की जगह जमीन में अपना घर बनाती है। अपने घर में वो दरवाजा बनाती है, जिसके अंदर वो छिपी रहती है। उसके घर को कोई देख नहीं पाता लेकिन वो अपने घर से सबपर नजर रखती है। इस वीडियो को अभी तक लाखों बार देखा जा चुका है। कई लोगों ने कमेंट में लिखा कि ये उनके डर का एक नया ही लेवल है। वहीं कई ने कमेंट किया कि अब तो जमीन पर चलने से पहले भी उन्हें डर लगेगा।

देश की जनता का मूड इस बार कुछ और है: नीतीश

मोदी द्वारा तीसरी बार पीएम उम्मीदवारी के सवाल को नकारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा तीसरी बार प्रधानमंत्री के उम्मीदवारी के सवाल पर कहा कि उनका रहने दीजिए उनसे क्या लेना देना है? देश की जनता का मूड कुछ और है। जदयू के वरिष्ठ नेता पूर्व रेलमंत्री नीतीश कुमार ने सुप्रीम कोर्ट में जाति आधारित गणना पर सुनवाई के सवाल पर कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले यह लोग पीछे थे, अब परदे के आगे हैं और खुलेआम इसका विरोध कर रहे हैं। यह लोग शुरू से ही नहीं चाहती है कि बिहार में जाति आधारित गणना हो।

इधर, कुछ लोग 24 घंटा में रिपोर्ट देने की मांग कर रहे हैं, उधर वहीं लोग रोक लगवाने की भी कोशिश कर रहे। सभी चीजों का विश्लेषण होगा सभी चीजों को देखा जा रहा है।

गैर कानूनी हैं ऐसे लोग जिन्हें देश की आजादी की तारीख नहीं मालूम

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जिसे देश को आजादी कब मिली, यह नहीं मालूम है, वह कितना गैर-कानूनी है। इसलिए उन सब चीजों को छोड़िए न। उसका कोई वैल्यू है। हम तो उनलोगों की बातों पर अब ध्यान भी नहीं देते हैं। अब आजादी कब हुआ यह देख के लोगों को कब मिली यह मामलू नहीं है। दरअसल, हाल में ही भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा था कि देश को आजादी 1947 में नहीं बल्कि जेपी आंदोलन के बाद मिली थी। इसके बाद सियासी सरगर्मी तेज हो गई। सोमवार को पटना में मीडिया ने इस मामले पर ही सीएम नीतीश कुमार से प्रश्न पूछा तो उन्होंने सम्राट चौधरी के जीके पर ही सवाल उठा दिया।

महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा को मिला नियमित पासपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» रहेगी 10 साल की वैधता

श्रीनगर। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती को 10 साल की वैधता वाला नियमित पासपोर्ट दिया गया। इल्तिजा को नियमित पासपोर्ट जारी करने के एक महीने से अधिक समय बाद उन्होंने जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय में एक नई याचिका दायर की, जिसमें किसी भी देश की यात्रा पर कोई रोक नहीं होने के साथ-साथ उनके पासपोर्ट की अवधि बढ़ाने के लिए हस्तक्षेप की मांग की गई थी।

एक अधिकारी ने कहा, क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी ने इल्तिजा को अपने कार्यालय में बुलाया और उन्हें 10 साल की वैधता वाला नियमित पासपोर्ट सौंप दिया। इस बीच इल्तिजा मुफ्ती ने कहा, 18 महीने तक चली लंबी लड़ाई के बाद आखिरकार पासपोर्ट मिल गया। यह बड़ी राहत है। गौरतलब है कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में उच्च अध्ययन करने की इच्छा रखने वाली 35 वर्षीय इल्तिजा को पहले 5 अप्रैल 2023 से 4 अप्रैल 2025 तक वैध देश-विशिष्ट पासपोर्ट जारी किया गया था। यात्रा दस्तावेज के लिए उनके आवेदन को शुरुआत में मंजूरी नहीं मिलने के बाद इल्तिजा ने पासपोर्ट जारी करने के लिए फरवरी में उच्च न्यायालय का रुख किया था। उसका पासपोर्ट 2 जनवरी को समाप्त हो गया था और उसने पिछले साल 8 जून को नए पासपोर्ट के लिए अग्रिम आवेदन किया था।

फोटो: 4 पीएम

आग हजरतगंज में बर्गर प्वाइंट में आज सुबह आग लग गई। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने समय रहते आग पर काबू पाया जिससे किसी भी जन व धन हानि होने से बचत हो गई।

अनुच्छेद-35ए से छिन गए थे अहम अधिकार: सुप्रीम कोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में अनुच्छेद 370 की सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ ने एक बड़ी टिप्पणी की है, उन्होंने सुनवाई के दौरान कहा कि अनुच्छेद-35 ने नागरिकों के कई मौलिक अधिकारों को छीन लिया है, इसने नागरिकों से जम्मू- कश्मीर में रोजगार, अवसर की समानता, संपत्ति अर्जित करने के अधिकार छीना है, ये अधिकार खास तौर पर गैर-निवासियों से छीने गए।

सीजेआई ने आगे कहा कि राज्य के अधीन किसी भी कार्यालय में रोजगार या नियुक्ति से संबंधित मामलों में सभी नागरिकों के लिए अवसर की समानता, अचल संपत्ति अर्जित करने का अधिकार और राज्य सरकार के तहत रोजगार का अधिकार आता है, ये सब ये अनुच्छेद नागरिकों से छीनता है, ऐसा इसलिए भी क्योंकि ये निवासियों के विशेष अधिकार थे और गैर-निवासियों के अधिकार से बाहर किए गए, उन्होंने कहा कि संवैधानिक सिद्धांत के अनुसार, भारत सरकार एक एकल इकाई है, भारत सरकार एक शाश्वत इकाई है।

भेड़ चाल में किसी को वोट न दें : वरुण गांधी

» बोले- बेरोजगारों के लिए सोचे सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

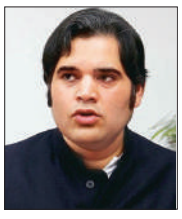

नई दिल्ली। बीजेपी के तेज तर्रार नेता और सांसद वरुण गांधी ने जनता को यह भी संदेश दिया कि भेड़चाल में वोट न दें, ऐसा न हो कि कोई आए, भारत माता की जय बोले और आप उसको वोट दे दें। सांसद ने बेरोजगारी का मुद्दा उठाते सवाल किया कि कब तक हमारे बच्चे पलायन कर ईंट भट्ठों पर काम करेंगे। सरकार को इस पर सोचना चाहिए।

बड़े-बड़े शहरों में रोजगार हैं, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसा कुछ नहीं है। सरकार को उद्योगपतियों से निवेदन करना चाहिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में कारखाने लगाए ताकि यहां के लोगों को काम मिले, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। सांसद ने कहा कि आप लोग किसी को भी वोट दें, लेकिन भेड़ चाल जैसा काम न करें। अपना दिमाग लगाएं। कोई आए और नारे बोल दे और आप उसे वोट दे दें, ऐसा न करें। सांसद ने कहा कि अगर वह गलती कर रहे हैं तो हां में हां न मिलाएं, मुझसे भी सवाल करें।

महाराज को रोको नहीं, पता नहीं कब मुख्यमंत्री बन जाएं

अपनी भाषण शैली के लिए खासे चर्चित रहते हैं, सोमवार को एक बार फिर ऐसा ही नजारा देखने को मिला। वह अपने संसदीय क्षेत्र पीलीभीत में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान मंच पर उनके साथ खड़े एक साधु का फोन बजने लगा। साधु ने फोन उठाते ही काट दिया, तभी सांसद के सहयोगियों ने साधु को टोक दिया। इस पर वरुण गांधी ने मजाकिया लहजे में कहा कि भाई इनको मत रोको, पता नहीं महाराज जी कब मुख्यमंत्री बन जाएं। सांसद का यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब प्रसारित हो रहा है। वरुण गांधी ने हल्के-फुल्के मूड में आगे कहा कि अगर महाराज जी कल मुख्यमंत्री बन जाएंगे तो हमारा क्या होगा। उन्होंने अपने साथी को नसीहत देते हुए कहा कि समय की गति को समझा करो, इसके बाद उन्होंने महाराज को अपने पास बुलाकर कहा कि मुझे लगता है कि अब समय अच्छा आ रहा है।

महिला हॉकी टीम को मिला विश्वकप का टिकट

» मलेशिया को हराकर महिला हॉकी-5 के फाइनल में पहुंची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दूसरा सेमीफाइनल थाईलैंड और इंडोनेशिया के बीच

दूसरे हाफ में दोनों टीमें आक्रामक थीं और खतरनाक दिख रही थीं मलेशिया ने मौके का फायदा उठाकर जाफिराह की बदौलत गोल कर अंतर कम किया। पर इसके बाद भारत ने नवजोत, ज्योति और टोप्पो के गोल की मदद से 8-5 की बढ़त बना ली थी। चार मिनट बचे थे, ज्योति ने भारत के लिए नौवां गोल कर दियां अब फाइनल में भारत का सामना थाईलैंड और इंडोनेशिया के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

नई दिल्ली। भारत ने महिला एशियाई हॉकी 5 विश्व कप क्वालीफायर में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मलेशिया को 9-5 से शिकस्त दी। इसके साथ ही भारतीय महिला टीम ने विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया।

कप्तान नवजोत कौर की हैट्रिक की बदौलत भारत ने यहां महिला एशियाई हॉकी 5 विश्व कप क्वालीफायर में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मलेशिया को 9-5 से शिकस्त दी और टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाने के साथ अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई करने में सफल रहा। नवजोत (सातवें, 10वें और 17वें मिनट) ने हैट्रिक लगायी जबकि मारियाना कुजुर (नौवें, 12वें मिनट) और ज्योति (21वें और 26वें मिनट) ने दो दो गोल दागे। वहीं मोनिक्का दिपी टोप्पो (22वें मिनट) और महिमा चौधरी (14वें मिनट) ने एक एक गोल किये। मलेशिया के लिए जैती मोहम्मद (चौथे और पांचवें मिनट), डियान नजेरी (10वें और 20वें मिनट) और अजीज जाफिराह (16वें मिनट) में गोल किये। हॉकी फाइव्स विश्व कप का शुरुआती चरण अगले साल 24 से 27 जनवरी तक मस्कट में खेला जायेगा। भारत ने मैच में तेज शुरुआत की लेकिन मलेशिया ने जैती मोहम्मद के जरिये बढ़त बना ली। एक मिनट बाद इसी खिलाड़ी ने मैदानी गोल से इसे दोगुना कर दिया। भारत ने दो मिनट बाद नवजोत के गोल से अंतर कम किया और फॉर्म में चल रही कुजुर ने फिर भारत को 2-2 से बराबरी दिलायी। दोनों टीमें लगातार हमले कर रही थीं, मलेशिया ने नाजेरी के जरिये बढ़त बनायी। भारत ने तुंरत जवाबी हमले किये और तेजी से दो गोल कर स्कोर 4-3 कर दिया। नवजोत और कुजुर ने भारत के लिए गोल किये। पहले हाफ में एक मिनट का समय बचा था और महिमा चौधरी ने बढ़त 5-3 करने में मदद की।

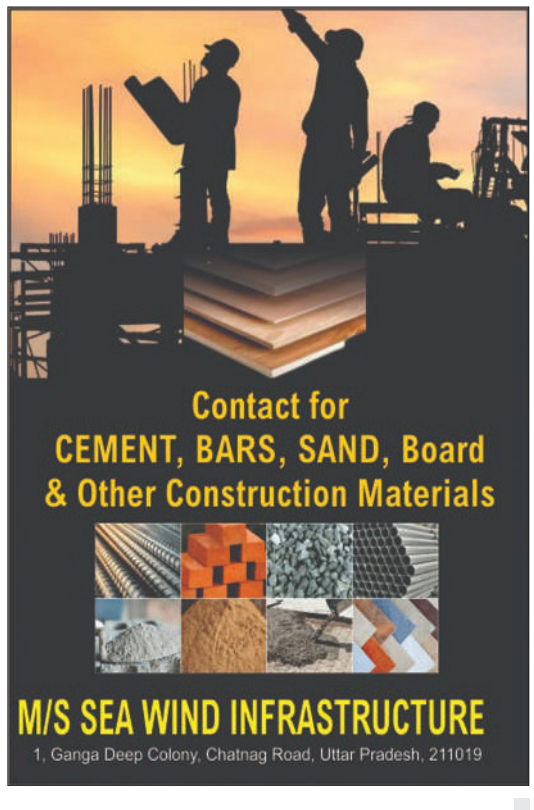

बाबा जी हम सब आपकी बिटिया हमें न्याय दीजिए!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

छेड़छाड़ की शिकार छात्राओं ने खून से लिखा सीएम के नाम खत, प्रधानाचार्य कर रहा था छात्राओं का शोषण

गाजियाबाद। मुज्जफरनगर में प्रधानाचार्य की करतूत अभी सुर्खियों से हटी भी नहीं थी कि अब गाजियाबाद के एक और प्रचार्य की हरकत की शिकायत मुख्यमंत्री तक पहुंच गई है। इसबार पीड़ितों ने अपने खून से लिखा पत्र सीएम को भेजकर न्याय की गुहार लगाई है।

दरअसल, प्रधानाचार्य के खिलाफ छेड़छाड़ की रिपोर्ट दर्ज कराने वाली वेव सिटी थाना क्षेत्र के एक स्कूल की छात्राओं ने सीएम योगी के नाम अपने खून से खत लिखा। इसमें सीएम से आरोपी प्रधानाचार्य पर कार्रवाई की मांग की गई है। छात्राओं ने लिखा है, बाबा जी... हम सब आपकी बिटिया हैं, हमें न्याय दीजिए। प्रधानाचार्य के खिलाफ वेव सिटी थाने में रिपोर्ट 21 अगस्त को दर्ज कराई गई थी। जब पुलिस ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की तो उनके परिजन स्कूल पहुंचे। प्रधानाचार्य ने उनके परिजनों के खिलाफ केस दर्ज करा दिया। इसमें आरोप है कि उन्होंने स्कूल में घुसकर उनकी पिटाई की और उनका सिर फोड़ दिया। गौरतलब है कि यह मामला शाहपुर बम्हेटा गांव के किसान आदर्श हायर सेकेंडरी स्कूल का है। छात्राओं ने मामले में पुलिस पर भी धमकाने का आरोप लगाया है। छात्राओं के मुताबिक, पुलिस रोज हमारे घर आकर हमारे माता-पिता को डराती और धमकाती है। हमारा घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है और स्कूल के प्रबंधक ने हमें स्कूल आने से मना कर दिया है। हमारे माता-पिता और गांववालों का कहना है कि प्रधानाचार्य संघ के अधिकारी है इसलिए उन्हें कोई भी दंड नहीं मिलेगा और हमारी जिंदगी बिल्कुल खराब हो जायेगी। छात्राओं ने पत्र में आगे लिखा, हम लड़किया आपसे मिलकर अपनी सारी बातें आपको बताना और आपसे न्याय की मांग करना चाहती हैं। आपसे अनुरोध है कि हमें मिलने का समय देने की कृपा करें ताकि हम सब लड़कियां अपने माता-पिता के साथ आकर आपको पूरी बात बता सकें और आप से न्याय की मांग करें।

प्रबंधक ने छात्रों को धमकाया

छात्राओं का आरोप है कि प्रधानाचार्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद स्कूल के प्रबंधक नाराज हो गए हैं। उन्होंने उनसे स्कूल आने के लिए मना कर दिया है। कह रहे हैं, तुम्हारी जिंदगी खराब हो जाएगी। पुलिस भी सुनवाई नहीं कर रही है। वे शिकायत लेकर गए तो एक अधिकारी ने चार घंटे थाने में बिठाकर रखा। उनका घर से निकलना मुश्किल हो गया है।

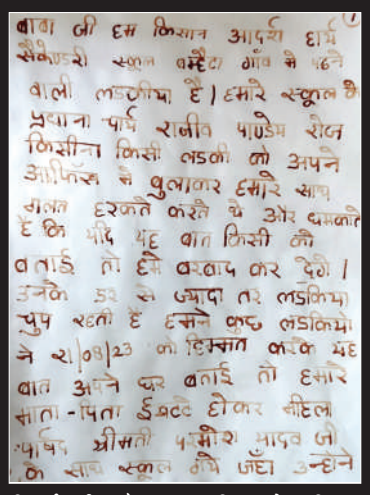

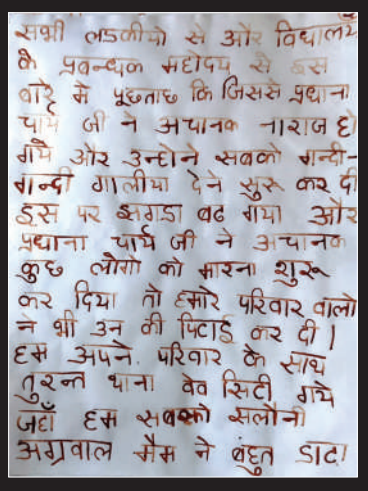

अभी तक नहीं हुई गिरफ्तारी

पुलिस ने केस तो दोनों ओर से दर्ज कर लिए, लेकिन छेड़छाड़ के मामले में अब तक गिरफ्तारी नहीं की है। गांव के लोग और छात्राएं प्रधानाचार्य की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। चार पन्नों के खत में छात्राओं ने लिखा है कि प्रधानाचार्य रोज किसी न किसी छात्रा को अपने दफ्तर में बुलाकर छेड़खानी करते हैं। उधर, इस मामले में गांव में पंचायत भी हो चुकी है। इसमें प्रधानाचार्य के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठी थी। छात्राएं थाने जाकर प्रदर्शन भी कर चुकी हैं। छात्राओं की मांग है कि मुख्यमंत्री उन्हें मिलने के लिए समय दें, वे अपनी बात बताना चाहती हैं।

कांग्रेस ही होगी विपक्ष की धुरी: सुप्रिया श्रीनेत

बोलीं- छोटे मन वालों को गठबंधन में रखें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस की सोशल मीडिया हेड सुप्रिया श्रीनेत ने इंडिया गठबंधन को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कांग्रेस को विपक्ष की धुरी बताया और छोटे मन वालों को गठबंधन से हटाने को कहा। सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, विपक्ष की धुरी कांग्रेस पार्टी है जो कन्याकुमारी से कश्मीर तक है, इंडिया गठबंधन देश को बचाने का काम कर रहा है, इस गठबंधन में जिसका छोटा मन और जिसकी महत्वाकांक्षा है, उस पर चर्चा होनी चाहिए और उसको हटाना चाहिए।

गौरतलब हो कि इंडिया गठबंधन की तीसरी बैठक मुंबई में 31 अगस्त और 1 सितम्बर को होने वाली है। इस बैठक में गठबंधन के संयोजक के नाम का ऐलान होने की संभावना है। इसके अलावा गठबंधन का लोगो जारी किया जाएगा, लेकिन इसके पहले श्रीनेत के बयान ने राजनीतिक सरगर्मी तेज कर दी है। मुंबई की बैठक में मुख्य मुद्दा 2024 के चुनाव की रणनीति बनाना होगा, लेकिन सवाल इसके संयोजक को लेकर है, एनडीए खेमे की तरफ से कहा जा रहा है कि विपक्ष के पास दूल्हा नहीं है, दूल्हे के लिए लड़ाई हो जाएगी, चर्चा है कि नीतीश कुमार संयोजक के दावेदार हैं, लेकिन नीतीश ने इसे लेकर बड़ा बयान दिया है।

मुंबई बैठक में कुनबा बढ़ाने की तैयारी

मुंबई में होने वाली बैठक में कुछ नए दलों को भी शामिल किया जा सकता है. खबर है कि सीएम नीतीश कुमार ने हाल ही में शिरोमणि अकाली दल और इंडियन नेशनल लोकदल (आईएनएलडी) से संपर्क किया है. मुंबई की बैठक में नीतीश कुमार इन दलों को साथ लाने का प्रस्ताव रख सकते।

भारतीय कुश्ती महासंघ के चुनावों पर रोक मामले में हस्तक्षेप से 'सुप्रीम' इंकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय कुश्ती महासंघ के चुनावों पर रोक लगाने के पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने भारतीय कुश्ती महासंघ के चुनाव पर रोक जारी रखते हुए मामले की सुनवाई 25 सितंबर तक स्थगित कर दी है। इससे पहले हाई कोर्ट ने 11 अगस्त को चुनाव पर रोक का आदेश जारी किया था।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने याचिकाकर्ता, आंध्र प्रदेश एमेच्योर कुश्ती संघ से अपनी शिकायतों के साथ उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने को कहा है। पीठ ने कहा, हमें इस मामले पर सुनवाई क्यों करनी चाहिए? आप उच्च न्यायालय जाएं, अंतरिम रोक हटाने के लिए आवेदन करने के बजाय, याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने का विकल्प चुना है।

अखिलेश से मिलने पहुंचे स्वामी प्रसाद के बयानों से महंत नाराज

» कहा-उन्हें पार्टी से निकालें या माफी मंगवाएं, सुरक्षा कर्मियों ने रोका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अयोध्या के तपस्वी छावनी के महंत परमहंस दास सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के बयानों से नाराज होकर पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव से मिलने के लिए लखनऊ उनके घर पहुंचे। हालांकि घर के बाहर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक लिया जिस पर उन्होंने अखिलेश यादव तक अपना संदेश भेज दिया।

मीडिया से बातचीत में महंत परमहंस ने कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य हिंदू धर्म को लेकर लगातार विवादित बयान दे रहे हैं। इससे हिंदुओं का बड़ा वर्ग आहत है। सभी धर्मों के मानने वाले लोग सपा का समर्थन करते हैं। ऐसे में धर्म को लेकर बयानबाजी करने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य को पार्टी से निकाला जाए या फिर उनसे माफी मंगवाई जाए। उन्होंने कहा कि स्वामी प्रसाद की बयानबाजी से सपा को ही नुकसान होगा। स्वामी अपनी पार्टी बनाने में लगे हुए हैं। वो खुद भी सपा को छोड़ने वाले हैं।

हमारी अखिलेश यादव से मांग है कि उन्हें पार्टी से निकाल दिया जाए वो लगातार सनातन धर्म को लेकर बयानबाजी करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि वह स्वामी प्रसाद पर कानून कार्रवाई को लेकर जल्द ही प्रार्थना पत्र देंगे।

केंद्र सरकार से 'सुप्रीम' सवाल, जम्मू-कश्मीर में कब होंगे चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में अनुच्छेद 370 पर दाखिल याचिकाओं पर संविधान पीठ में 12वें दिन सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने केंद्र सरकार पर बड़े सवाल उठाए। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने पूछा कि आखिर किस तरह अनुच्छेद-367 में संशोधन कर जम्मू-कश्मीर का स्पेशल स्टेटस हटाया जा सकता है... क्या जम्मू-कश्मीर राज्य की सहमति जरूरी नहीं थी? जब दूसरा पक्ष (जम्मू-कश्मीर विधानसभा) मौजूद नहीं था, तब सहमति कैसे मिली!

क्या अनुच्छेद-370 को हटाने के लिए एक तरीके से अनुच्छेद-370 का इस्तेमाल किया जा सकता है...? सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान जवाब में केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि चूंकि विधानसभा नहीं थी, तो राज्यपाल ही इसके लिए प्राधिकरण हुए, स्पष्टीकरण यह है कि यह केवल संविधान सभा शब्द को विधानसभा के साथ प्रतिस्थापित करता है, जम्मू-कश्मीर के लोग अब देश के किसी भी अन्य नागरिक के बराबर अधिकारों का आनंद ले रहे हैं, अनुच्छेद-370 का प्रावधान जम्मू-कश्मीर को भारत के साथ उचित एकीकरण की अनुमति नहीं देता था। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछा, जम्मू-कश्मीर में चुनाव कब होंगे? जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र की बहाली जरूरी है, सुप्रीम कोर्ट ने तीन सवाल पूछे कि आखिर संसद को राज्य के टुकड़े करने और अलग-अलग केंद्र शासित प्रदेश बनाने का अधिकार किस कानूनी स्रोत से मिला?

इस अधिकार स्रोत का दुरुपयोग नहीं होगा इसकी क्या गारंटी है? तीसरा सवाल ये कि आखिर कब तक ये अस्थाई स्थिति रहेगी? चुनाव करा कर विधानसभा बहाली और संसद में प्रतिनिधित्व सहित अन्य व्यवस्था कब तक बहाल हो पाएगी? लोकतंत्र की बहाली और संरक्षण सबसे जरूरी है.

कोर्ट ने सरकार से कहा कि आप कश्मीर के लिए सिर्फ इसी दलील के आधार प ये सब नहीं कर सकते कि जम्मू कश्मीर सीमावर्ती राज्य है और यहां पड़ोसी देशों की कारस्तानी और सीमापर से आतंकी कार्रवाई होती रहती है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।